युग की जड़ता के खिलाफ

युग की जड़ता के खिलाफ एक इन्कलाब है
हिन्द के जवानों का एक सुनहरा ख्याब है ।
भारतीय सांस्कृतिक क्रांती,
मानवीय सांस्कृतिक क्रांती ।।धृ।।

गगन में हमारी पहूँच बढ़ रही आज, पर
दूर हो रहा है घर पडोसी का
आदमी को आदमी, के करीब लायेगी ।भारतीय.... ।।१।।

आदमी भविष्य में यंत्र का न हो गुलाम,
मानवीय गुण बढ़ेंगे काम से ।
ऐसे यंत्र-मुक्त काम, हर जगह चलाएगी ।भारतीय.... ।।२।।

लेके हाथ हल-कुदाल और ज्ञान की मशाल
आओ चलें साथ साथ गांव को
क्योंकि गांव गांव से दीनता मिटाएगी ।भारतीय.... ।।३।।

– अशोक भार्गव